हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष: 08 अंक: 14 | देहरादून, शनिवार 29 अगस्त 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य

पता लगाने में जुटा है।

आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में करेंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य पहल माना जा रहा है।

दलहन से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

दि ग्राम टुडे,कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कानपुर में रबी दलहन अनुसंधान को लेकर 29 और 30 अगस्त 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय मंथन होगा। रबी दलहन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक में देशभर के कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ किसानों की आय बढ़ाने वाली उन्नत तकनीकों और उनके प्रभावी प्रसार पर विचार–विमर्श करेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन 29 अगस्त को सुबह 9 बजे विश्वविद्यालय के यूटिलिटी भवन में होगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद करेंगे। इस अवसर पर डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. एस. के. झा, सहायक महानिदेशक, डॉ. जी.पी. दीक्षित, निदेशक भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर

तथा सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता समेत देशभर से आए वैज्ञानिक एवं कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।

बैठक में रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसलों की नई उन्नत किस्मों, गुणवत्तापूर्ण बीज, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा जलवायु अनुकूल तकनीकों पर हुए अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही खेती की लागत कम करने और उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने वाली तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने की रणनीति पर विशेष चर्चा होगी।

वैज्ञानिकों का जोर ऐसी तकनीकों के विकास और प्रसार पर रहेगा, जिससे किसानों की उत्पादन लागत घटे, फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादकता बढ़े और दलहन की खेती अधिक लाभकारी बन सके। अनुसंधान संस्थानों एवं केंद्रों की उपलब्धियों की समीक्षा के साथ सफल तकनीकों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यापक प्रसार की कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी।

दलहन देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के साथ मृदा स्वास्थ्य और किसानों की आय के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर की यह बैठक अनुसंधान को खेत तक पहुंचाने और वैज्ञानिकों, प्रसार तंत्र तथा किसानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आयोजकों के अनुसार, बैठक का दीर्घकालिक लक्ष्य दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता मजबूत करने के साथ किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है।

दलहनी फसलों की उन्नत तकनीकों से किसानों की

आय बढ़ाने पर आज से दो दिन होगा मंथन

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में रबी दलहनी फसलों के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि के साथ–साथ किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से विकसित नवीनतम कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने तथा उनके प्रभावी प्रसार पर वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों द्वारा दो दिन व्यापक मंथन किया जाएगा। इसके लिए सीएसए में रबी दलहन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन 29 एवं 30 अगस्त 2026 को किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन 29 अगस्त को प्रातः 9:00 बजे विश्वविद्यालय स्थिति यूटिलिटी भवन, कानपुर में होगा। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम. एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा की जाएगी।इस अवसर पर डॉ. डी. के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. एस. के. झा, सहायक महानिदेशक, डॉ. जी. पी. दीक्षित, निदेशक, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर तथा डॉ. संजीव गुप्ता, कुलपति, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे। बैठक में रबी मौसम की प्रमुख दलहन फसलों में नई उन्नत किस्मों, गुणवत्तापूर्ण बीज, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग प्रबंधन, जलवायु अनुकूल तकनीकों तथा उत्पादन लागत कम करने वाली तकनीकों पर अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही प्रयोगशालाओं एवं अनुसंधान केंद्रों में विकसित तकनीकों को किसान के खेत तक पहुंचाने और उनके व्यापक अंगीकरण की रणनीति पर भी विशेष चर्चा होगी। दलहन फसलें देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य तथा किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए वैज्ञानिक अनुसंधान का उद्देश्य केवल अधिक उत्पादन तक सीमित न रहकर ऐसी तकनीकों का विकास एवं प्रसार करना है, जिनसे किसानों की उत्पादन लागत घटे, उत्पादकता एवं गुणवत्ता बढ़े और खेती अधिक लाभकारी बने। बैठक में विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों एवं केंद्रों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्यों की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए सफल तकनीकों के प्रसार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की कार्ययोजना पर भी विचार किया जाएगा। वैज्ञानिकों का प्रयास रहेगा कि अनुसंधान से प्राप्त तकनीकी ज्ञान को सरल एवं व्यावहारिक रूप में किसानों तक पहुंचाकर उन्हें आधुनिक दलहन उत्पादन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।आयोजकों के अनुसार, इस राष्ट्रीय स्तर की वैज्ञानिक बैठक से रबी दलहन अनुसंधान को नई दिशा मिलने के साथ–साथ अनुसंधान – प्रसार – किसान के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इसका दीर्घकालिक उद्देश्य दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मजबूत करते हुए किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है।

पड़ेगा. अतिरिक्त लाइन से ट्रेनों को रोकने और रास्ता देने की समस्या कम

आईनेस्ट दैनिक जागरण 29/08/2026

सीएसए में रिसर्च एंड इनोवेशन पर होगा संवाद

आईएआरसी जोन तीन की तरफ से आज सीएसए में प्रदर्शनी ऑर्गनाइज की जाएगी. जिसमें इनोवेशन संवाद प्रोग्राम आयोजित होगा. आईएसीआर के डॉ.एमएल जाट चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद रहेंगे. प्रोग्राम में साइंटिस्ट विभिन्न रिसर्च और इनोवेशन का प्रदर्शन करेंगे. इस दौरान लोग साइंटिस्ट से सीधे संवाद कर सकेंगे.

हिंदुस्तान 29/08/2026

आज वैज्ञानिक करेंगे रबी दलहनी फसलों पर मंथन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 29 व 30 अगस्त को रबी दलहनी फसलों के अनुसंधान, उत्पादन, फसल सुधार एवं संरक्षण की दिशा में नवीन तकनीकों और भावी अनुसंधान कार्यक्रमों पर मंथन किया जाएगा। विवि में हो रही अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ऑन रबी पल्सेज की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट करेंगे।